B.K. BIRLA CENTRE FOR EDUCATION

SARALA BIRLA GROUP OF SCHOOLS
A CBSE DAY-CUM-BOYS' RESIDENTIAL SCHOOL

TERM-1_EXAMINATION 2025-26

HINDI (085)

Class: X
Date : 12.09.2025
Admission No.:

Duration : **3.00 Hrs**
Max. Marks: **80**
Roll No.:

सामान्यनिर्देशाः
1. कृपया अच्छी तरह परीक्षण कर लें कि इस प्रश्नपत्र में 16 प्रश्न हैं ।
2. प्रत्येक भाग के उत्तर एक ही स्थान में क्रम से लिखने की यथासंभव कोशिश करें ।
3. उत्तरलेखन से पूर्व प्रश्न का क्रमाङ्क प्रश्नपत्र के अनुसार अवश्य लिखें ।
4. प्रश्नों के निर्देश ध्यानपूर्वक अवश्य पढ़ें ।

प्रश्नपत्रस्वरूपम् -

भाग 'क' : अपठित पद्यांश	14 **अंक**
भाग 'ख' : व्याकरण	16 **अंक**
भाग 'ग' : पाठ्यपुस्तक	28 **अंक**
भाग 'घ' :	22 **अंक**

(खण्ड 'क')

अपठित गद्यांश

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर लिखिए- (अंक 7)

खंड क (वस्तुपरक प्रश्न) (अंक 40)

भारत के प्राचीन विचारकों ने अच्छा नागरिक बनने के लिए कुछ नियमों का प्रावधान किया है। इन नियमों में वाणी और व्यवहार की शुद्धि कर्तव्य और अधिकार का समुचित निर्वाह शुद्धतम पारस्परिक सद्भाव और सेवा की भावना अधिनियम बहुत महत्वपूर्ण माने गए हैं।यह सभी नियम यदि एक व्यक्ति के चारित्रिक गुणों के रूप में भी अनिवार्य माने जाए तो उसका अपना जीवन सुखी और आनंदमय हो सकता है। सभी गुणों का विकास एक बालक में यदि उसकी बाल्यावस्था से ही किया जाए तो वह अपने देश का श्रेष्ठ नागरिक बन सकता है। इन गुणों के कारण वह अपने परिवार आस पड़ोस विद्यालय में अपने सहपाठियों एवं अध्यापक को के प्रति यथोचित व्यवहार कर सकेगा। वाणी एवं व्यवहार की मधुरता सभी के लिए सुखदायक होती है।समाज में हार्दिक सद्भाव की वृद्धि करती है किंतु अहंकार रहित व्यक्ति ही स्निग्ध वाणी और शिष्ट व्यवहार का प्रयोग कर सकता है। अहंकारी और दंभी व्यक्ति सदा अशिष्ट वाणी और व्यवहार का अभ्यासी होता है। जिसका परिणाम यह होता है कि ऐसे आदमी के व्यवहार से समाज में शांति और सौहार्द का वातावरण नहीं बनता । जिस प्रकार एक व्यक्ति समाज में रहकर अपने व्यवहार से कर्तव्य और अधिकार के प्रति सजग रहता है ।इस तरह देश के प्रति भी उसका व्यवहार कर्तव्य और अधिकार की भावना से भावित रहना चाहिए । उसका कर्तव्य हो जाता है कि न तो वह स्वयं कोई ऐसा काम करे और न ही दूसरों को करने दे । जिसमें देश के सम्मान संपत्ति और स्वाभिमान को ठेस लगे ।समाज एवं देश में शांति बनाए रखने के लिए धार्मिक सहिष्णुता भी बहुत आवश्यक है। यह व्यक्ति में तभी आ सकती है जब व्यक्ति संतुलित व्यक्तित्व का हो ।वह आंतरिक व बाहरी संघर्ष से परे सामाजिकता की अनुभूति से परिपूर्ण व्यक्तित्व होना चाहिए।

(1) गद्यांश के अनुसार अच्छा नागरिक बनने के लिए नियमों का प्रावधान आवश्यक है क्योंकि यह

क) स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है जिससे वातावरण को शांति से परिपूर्ण करता है।

ख) व्यक्तित्व को निखार कर जीवन को आमोद प्रमोद से परिपूर्ण करता है।

ग) व्यक्तित्व को निखार कर जीवन को सुख और मंगल कामना से परिपूर्ण करता है।

घ) व्यक्तित्व को अहंकार स्निग्ध वाणी और शिष्ट व्यवहार से परिपूर्ण करता है ।

(2) वाणी एवं व्यवहार की मधुरता सभी के लिए सुखदायक होती है इस कथन के लिए उपयुक्त तर्क है।

क) देश के सम्मान ,संपत्ति और स्वाभिमान को ठेस पहुंचती है ।

ख) विश्व समाज में शांति और सौहार्द का वातावरण नहीं बनता ।

ग) कर्तव्य और अधिकार का समुचित निर्वाह बहुत आवश्यक है ।

घ) समाज में हार्दिक सद्भाव की वृद्धि और सुख के प्रतिष्ठा होती है ।

(3) निम्न कथन (À) तथा कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) देश में धार्मिक सहिष्णुता की आवश्यकता है।

कारण (R) समाज एवं देश में शांति बनी रहेगी।

क) कथन (A)तथा कारण (R)दोनों गलत है।

ख) कथन (A)गलत है लेकिन कारण(R)सही है।

ग) कथन (A)सही है लेकिन कारण(R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है।

घ) कथन (A)तथा कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R) कथन (A)की सही व्याख्या करता है।

(4) संतुलित व्यक्तित्व से तात्पर्य क्या है ?

(5) अहंकारी और दंभी व्यक्ति पर प्रकाश डालिए |

प्रश्न 2)निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर लिखिए - (7)

आज योग केवल भारत में ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में किया जा रहा है। आधुनिक युग में योग का महत्व बढ़ गया है ।इसके बढ़ने का कारण व्यस्तता और मन के व्यग्रता है ।यदि मनुष्य शारीरिक रूप से स्वस्थ है तो वह संसार में रहकर जीवन का सुख भोग सकता है और अपने सभी कर्तव्यों एवं मनोकामनाओं को पूर्ण कर सकता है। शरीर ही वह माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने सभी कार्यों को संपन्न कर सकते हैं इसलिए अपने शरीर को स्वस्थ रखना हमारा प्रथम कर्तव्य है और इसके लिए हम योग का सहारा ले सकते हैं ।योग प्राचीन समय से ही भारतीय संस्कृति का अंग रहा है ।हमारे पूर्वजों ने बहुत समय पहले ही इसका आविष्कार कर इसके महत्व को पहचान लिया था इसलिए योग पद्धति सदियों बाद भी जीवित है। योग करने से व्यक्ति का शरीर सुगठित और सुडौल बनता है ।योग से न केवल तन की थकान दूर होती है बल्कि मन की थकान भी दूर हो जाती है। योग करने वाला व्यक्ति अपने अंग प्रत्यंग में नए उत्साह एवं स्पूर्ति का अनुभव करता है ।योग करने से शरीर के प्रत्येक अंग में रक्त का संचार सुचारू रूप से होता है तथा शरीर रोग मुक्त रहता है ।अतः हम सभी को एक स्वरूप जीवन जीने हेतु प्रतिदिन योग करना चाहिए।

(1) मनुष्य का प्रथम कर्तव्य किसे माना गया है?

क) मन को स्वस्थ रखना ख) योग करना

ग) शरीर को स्वस्थ रखना घ) प्राचीन संस्कृति को अपनाना

(2) योग करने से मनुष्य को क्या लाभ होता है

क) शरीर रोग मुक्त रहता है

ख) नए उत्साह व स्फूर्ति का संचार होता है

ग) मन की थकान दूर होती है

घ) उपर्युक्त सभी

(3) निम्नलिखित कथन A तथा कारण R को ध्यान पूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

कथन A : आधुनिक युग में योग का महत्व स्वीकार किया जाने लगा है ।

कारण R: आधुनिक युग में व्यस्तता और मन की व्याकुलता बढ़ने लगी है।

क) कथन A तथा कारण R दोनों गलत है।

ख) कथन A गलत है गलत है लेकिन करण R सही है

ग)कथन A सही है लेकिन कारण R उसकी गलत व्याख्या करता है

घ)कथन A और कारण R दोनों सही है तथा कारण R कथन A की सही व्याख्या करता है।

(4) प्रस्तुत गद्यांश मानव को क्या सन्देश दे रहा है ?

(5) योग प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति का अंग रहा है सिद्ध कीजिए

खंड ख (व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न3) पदबंध पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए (4)

(1) <u>ज़ोर ज़ोर से चिल्लाने वाले तुम</u> अब चुप क्यों हो ? रेखांकित अंश सर्वनाम पदबंध क्यों है ?

(2) राम बहुत अधिक बलशाली थे। वाक्य में रेखांकित अंश किस पदबंध का भेद है ?

(3) रोगी दूध <u>पी रहा था।</u> वाक्य में रेखांकित पदबंध भेद कारण सहित बताइए |

(4) संज्ञा पदबंध का उदाहरण सहित परिचय दीजिए ।

(5) छात्र <u>ध्यानपूर्वक</u> सुन रहे हैं । पदबंध का भेद बताइए।

प्रश्न4) रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (4)

(1) खाने वाला सोएगा। वाक्य का मिश्र वाक्य में रूपांतरण कीजिए।

(2) यदि इस बार तुम पढ़े तो अवश्य पास हो जाओगे। वाक्य किस भेद कारण साहित बताइए ।

(3) शाम हुई और पक्षीघोंसलों की ओर लौटने लगे। वाक्य संयुक्त वाक्य से सम्बंधित क्यों है ?

(4) कहा जाना चाहिए कि यह सभा एक ओपन चैलेंज थी। वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण कीजिए |

(5) जिन आदमियों को पकड़ा गया उनकी संख्या का पता नहीं चला। वाक्य का सरल वाक्य में रूपांतरण कीजिए|

प्रश्न 5) समास पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (4)

(1) 'नीलकमल 'शब्द में कौन सा समास है ?

(2) तीन आँखें हैं जिसकी अर्थात शिव का समस्त पद बताइए ।

(3) शरणागत शब्द का सही समास विग्रह कीजिये।

(4) कर्मधारय और बहुव्रीहि समास में अंतर बताइए।

(5) अपादान तत्पुरुष समास किसे कहते हैं ?

प्रश्न 6) मुहावरे पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (4)

(1) दिल फड़कना का अर्थ बताइए।

(2) समुद्र किनारे शाम को तताँरा रोज वामीरो की ---------- था।

(3) गाढ़ी कमाई इस मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(4) रमेश ने भाई के पढ़ाई के लिए अपना खून जलाने में भी परहेज नहीं किया। इसमें मुहावरा छाँटकर लिखिए।

(5) आज अध्यापक ने सभी बच्चों को लिया। ----------

खंड ग (पाठ्य पुस्तक प्रश्नोत्तर)

प्रश्न 7) पठित गद्यांश को पढ़कर सही विकल्पों का चयन कीजिये (5)

एक दिन जब मैं भोर का सारा समय गुल्ली - डंडे की भेंट करके ठीक भोजन के समय लौटा, तो भाई साहब ने मानो तलवार खींच ली और मुझ पर टूट पड़े - देखता हूँ, इस साल पास हो गए और दरजे में अव्वल आ गए, तो तुम्हें दिमाग हो गया है, मगर भाईजान, घमंड तो बड़े - बड़े का नहीं रहा, तुम्हारी क्या हस्ती है? इतिहास में रावण का हाल तो पढ़ा ही होगा। उसके चरित्र से तुमने कौन - सा उपदेश लिया?

या यों ही पढ़ गए? महज़ इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास। जो कुछ पढ़ो, उसका अभिप्राय समझो। रावण भूमण्डल का स्वामी था। ऐसे राजाओं को चक्रवर्ती कहते हैं। आजकल अंग्रेज़ों के राज्य का विस्तार बहुत बढ़ा हुआ है, पर इन्हें चक्रवर्ती नहीं कह सकते। संसार में अनेक राष्ट्र अंग्रेज़ों का आधिपत्य स्वीकार नहीं करते, बिल्कुल स्वाधीन हैं। रावण चक्रवर्ती राजा था, संसार के सभी महीप उसे कर देते थे। बड़े - बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे। आग और पानी के देवता भी उसके दास थे, मार उसका अंत क्या हुआ? घमण्ड ने उसका नाम - निशान तक मिटा दिया, कोई उसे एक चुल्लू पानी देने वाला भी न बचा। आदमी और जो कुकर्म चाहे करे, पर अभिमान न करे, इतराये नहीं। अभिमान किया और दीन - दुनिया दोनों से गया।

1. तलवार खींचने का आशय क्या है?

   क) आक्रमण करना ख) आहत करना

   ग) पीड़ा पहुँचाना घ) सभी

2. बड़े भाई ने किस युक्ति से लेखक पर चोट की?

   क) बेशर्मी के कारण ख) घमण्ड के कारण

   ग) छोटे भाई की निडरता पर घ) सभी

3. बड़े भाई ने छोटे भाई को रावण का उदाहरण क्यों दिया?

क) बात न मानने　　ख) पढ़ाई के कारण

ग) घमण्डी होने के कारण　　घ) बेशर्मी के कारण

4. बड़े भाई के अनुसार, रावण और अंग्रेज़ों में क्या अन्तर था?

क) विश्वभर के राजा उसके अधीन थे और उसे कर देते थे, परन्तु अंग्रेजों की सत्ता पूरा संसार नहीं मानता

ख) रावण अपने राज्य का चक्रवर्ती राजा था

ग) रावण अंग्रेजों से अधिक बड़ा राजा था

घ) सभी

5. बड़े भाई ने इम्तिहान पास करने की तुलना में किस गुण को महत्त्व दिया?

क) घमंड न करना　　ख) सफलता प्राप्त करना

ग) बुद्धि का विकास होना　　घ) सभी

प्रश्न 8) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 से 30 शब्दों में लिखिए - (6)

1. डायरी का पन्ना पाठ के आधार पर स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
2. फेल होने पर भी भाई साहब किस आधार पर अपना बड़प्पन बनाए हुए थे? बड़े भाई साहब पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए|
3. रूढ़ियों और परंपराओं का बंधन प्रेम की राह में बाधक नहीं बन सकता। तताँरा-वामीरो कथा के आधार पर स्पष्ट कीजिए। तताँरा वामीरो पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए|
4. तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र पाठ के संदर्भ में लिखिए कि संगीतकार जयकिशन और शैलेंद्र में किस बात को लेकर सहमति नहीं बन पा रही थी? उन दोनों के तर्कों को प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए। (5)

मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो
अव तुम्हारे हवाले वतन साथियो
जिंदा रहने के मौसम वहुत हैं मगर
जान देने की स्त रोज़ आती नहीं
हुस्न और इश्क दोनों को रुस्वा करे
वो जवानी जो खूँ में नहाती नहीं
आज धरती वनी है दुलहन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(क) 'वाँकपन' से क्या अभिप्राय है?

(i) जवानी का जोश　　(ii) लड़ने-मरने का उत्साह

(iii) उपरोक्त दोनों　　(iv) युद्धवीर

(ख) क्या करने का मौका वार-बार नहीं आता?

(i) देश पर जान देने कर (ii) देश के लिए लड़ने का

(iii) देश सेवा का (iv) उपरोक्त सभी

(ग) वीर सैनिक सबसे अधिक किससे प्रेम करते हैं?

(i) मातृभूमि से (ii) परिवार से

(iii) जन्मभूमि से (iv) प्रधानमंत्री से

(घ) 'जान देने की रुत रोज आती नहीं' पंक्ति से क्या आशय है?

(i) देश के लिए न्यौछावर होने का मौका बार-बार नहीं मिलता

(ii) देश सेवा का मौका एक बार मिलता है

(iii) उपरोक्त दोनों

(iv) देश सेवा ही सब कुछ है

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

(1) देश पर जान देने का वक्त रोज नहीं आता।

(2) हमें हर कीमत पर अपने देश की रक्षा करनी चाहिए।

(3) हमें प्रत्येक आडंबर का विरोध करना चाहिए।

(4) धरती पर मोहित होना चाहिए।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनें-

(i) (1), तथा (3) (ii) (1), तथा (2)

(iii) (1), (2), (3) तथा (4) (iv) (3) और (4)

प्रश्न 10 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 से 30 शब्दों में लिखिए - (6)

(क) 'मनुष्यता' कविता के आधार पर लिखिए कि उदार व्यक्ति के कौन-कौन से गुण उसे अलग पहचान देते हैं। अपने परिचितों में से किसी एक का उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए कि उसे उदार व्यक्ति कैसे कहा जा सकता है।

(ख) मीरा के पदों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि वह भक्त की विपत्ति दूर करने के लिए किन प्रसंगों की याद कृष्ण को दिलाती हैं और उन्हें पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तात्पर्य है?

(ग) पर्वत प्रदेश का वर्षा ऋतु में प्राकृतिक सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है, परंतु पहाड़ों पर रहने वाले लोगों के दैनिक जीवन में क्या कठिनाइयाँ उत्पन्न होती होंगी? विचार कीजिए।

(घ) कविता की पृष्ठभूमि में 'तोप' की अतीत में भूमिका और उसकी वर्तमान स्थिति का वर्णन कीजिए। कवि को क्यों कहना पड़ा- "कितनी ही बड़ी हो तोप, एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।"

प्रश्न 11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 से 50 शब्दों में लिखिए- (अंक 6)

(1) अकेले होने के कारण हरिहर काका को किन - किन कठिनाइयों से गुजरना पड़ा? इन कठिनाइयों के सामने समर्पण करने के बजाए हरिहर काका को साहस से किस प्रकार इसका सामना करना चाहिए था?

(2) सपनों के - से दिन पाठ के आधार पर तब के स्कूली बच्चों के पहनावे तथा खेल - कूद की तुलना आज के स्कूली बच्चों से कीजिए। दोनों में से आप किसे अच्छा समझते हैं और क्यों?

(3) आज के शैक्षणिक क्षेत्र में मास्टर प्रीतमचंद जैसे शिक्षक होने चाहिए या नहीं पाठ से प्रेरणा लेकर उत्तर दीजिए|

खंड घ (रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (अंक 5)

(1) गया समय फिर हाथ नहीं आता

संकेत बिंदु - *समय ही जीवन है *दुरुपयोग से हानि

*समय का सदुपयोग * उपसंहार

(2) शहरों में यातायात समस्या

संकेत बिंदु - * यातायात के विभिन्न साधन

* थ्री व्हीलर द्वारा होने वाली असुविधाएँ

* बस सेवा और नागरिकों को होने वाली असुविधाएँ

* यातायात समस्या के निदान हेतु समाधान

(3) भारतीय किसान के कष्ट

संकेत बिंदु -* अन्नदाता की कठिनाइयाँ * कठोर दिनचर्या * सुधार के उपाय

प्रश्न 13 आप मंथन विष्णुपुरी के निवासी हैं अपने | घर में चोरी हो जाने की सूचना देते हुए पुलिस थाना अधिकारी को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए | (अंक 5)

अथवा

डेंगू और मलेरिया के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए चिकित्सालय में अपर्याप्त चिकित्सा सुविधा की ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु राज्य के स्वास्थ्य मंत्री को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए ।

प्रश्न 14 विद्यालय की वित्तीय योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए विद्यालय की वित्त समिति की एक बैठक आयोजित होनी है इस संबंध में प्रधानाध्यापक की ओर से 60 शब्दों में एक सूचना लिखिए।(अंक 4)

अथवा

अधिक वर्षा के कारण आज की सभी विमानसेवाएँ रद्द होने की सूचना लगभग 60 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 15 प्रसंग पब्लिकेशन के प्रचार के लिए 40 शब्दों में विज्ञापन लिखिए । (अंक 3)

अथवा

एक कोचिंग संस्थान के लिए 40 शब्दों में विज्ञापन लिखिए ।

प्रश्न 16 'सफलता का मूलमंत्र' विषय पर एक लघु कथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए| (अंक 5)

अथवा

ग्यारहवीं कक्षा में दाखिला लेने के लिए प्रयाग पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य को लगभग 80 शब्दों में ई मेल लिखिए।

========== सफलता के लिए शुभकामनाएँ ==========